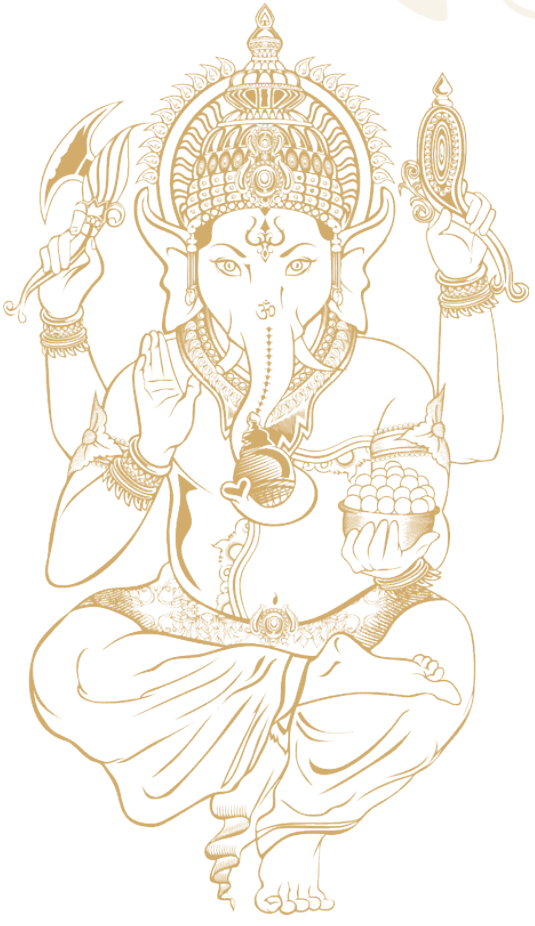

Bimla nariyal

13 Jun 1960

06:30 AM

Delhi

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 119933911

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
13/06/1960	जन्म तिथि	**13/06/2025**
सोमवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 06:30:00	जन्म समय	22:23:06 घंटे
घटी 02:47:53	जन्म समय(घटी)	42:30:32 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
उत्तर 28:39:00	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
पूर्व 77:13:00	रेखांश	77:13:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:22:50	सूर्योदय	05:22:53
19:19:32	सूर्यास्त	19:19:36
23:18:13	चित्रपक्षीय अयनांश	24:12:47

मिथुन	लग्न	मकर
बुध	लग्न लग्नाधिपति	शनि
मकर	राशि	धनु
शनि	राशि-स्वामी	गुरु
श्रवण	नक्षत्र	पूर्वाषाढ़ा
चन्द्र	नक्षत्र स्वामी	शुक्र
3	चरण	4
वैधृति	योग	ब्रह्म
कौलव	करण	वणिज
खे-खेमचन्द	जन्म नामाक्षर	ढा-ढपली
मिथुन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन
वैश्य	वर्ण	क्षत्रिय
जलचर	वश्य	मानव
वानर	योनि	वानर
देव	गण	मनुष्य
अन्त्य	नाड़ी	मध्य
मार्जार	वर्ग	श्वान
65	गत/तत्कालिक वर्ष	66

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
आर्द्रा	2	13:16:07	मिथु			लग्न			मक	16:03:51	2	श्रवण
मृगशिरा	2	28:42:46	वृष			सूर्य			वृष	28:42:45	2	मृगशिरा
श्रवण	3	18:06:24	मक			चंद्र			धनु	26:09:34	4	पूर्वाषाढ़ा
अश्विनी	1	01:18:25	मेष			मंगल			सिंह	03:45:09	2	मघा
पुनर्वसु	1	22:25:35	मिथु			बुध			मिथु	15:00:37	3	आर्द्रा
मूल	2	06:19:41	धनु	व		गुरु		अ	मिथु	06:39:23	4	मृगशिरा
मृगशिरा	1	26:04:27	वृष		अ	शुक्र			मेष	13:22:59	1	भरणी
पूर्वाषाढ़ा	4	23:31:18	धनु	व		शनि			मीन	07:00:04	2	उ०भाद्रपद
पू०फाल्गुनी	4	26:25:44	सिंह	व		राहु	व		कुंभ	28:22:41	3	पू०भाद्रपद
पू०भाद्रपद	2	26:25:44	कुंभ	व		केतु	व		सिंह	28:22:41	1	उ०फाल्गुनी
आश्लेषा	3	24:41:27	कर्क			मु			वृश्चि	13:16:07	3	अनुराधा

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:47

लग्न-चलित

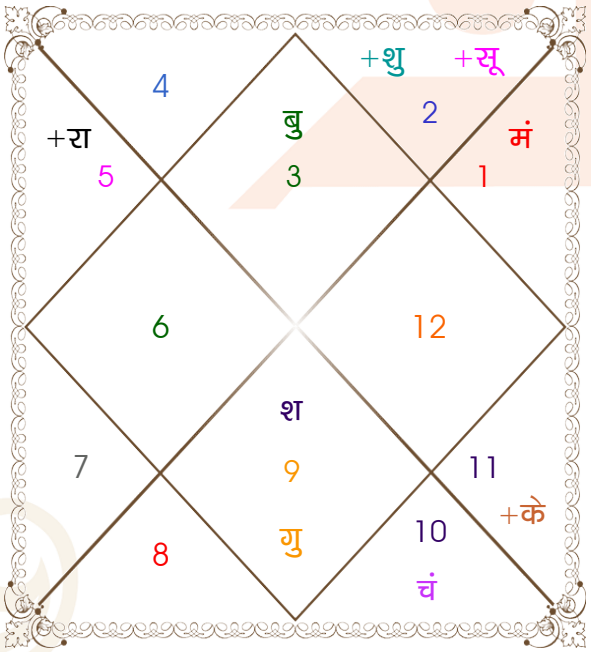

वर्ष लग्न कुंडली

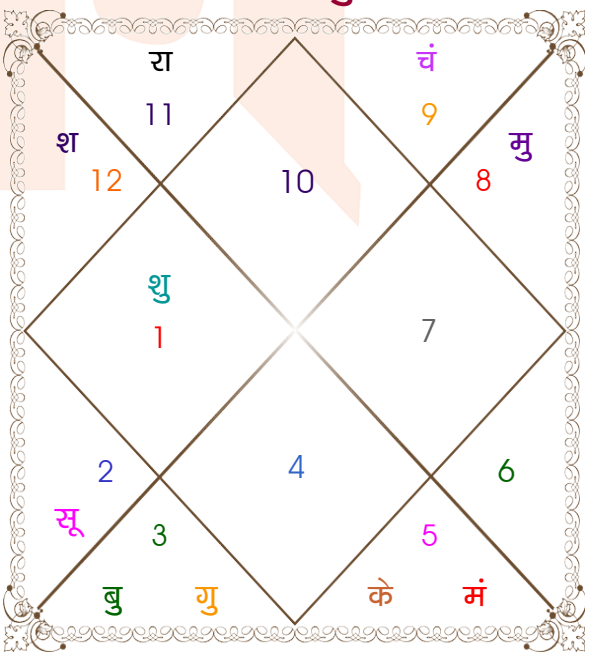

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

बुध - बुध - राहु		बुध - बुध - गुरु		बुध - बुध - शनि		बुध - केतु - केतु	
18/09/2025 04:26		28/01/2026 03:09		25/05/2026 10:00		11/10/2026 16:39	
28/01/2026 03:09		25/05/2026 10:00		11/10/2026 16:39		01/11/2026 19:45	
राहु	07/10/2025 23:26	गुरु	12/02/2026 18:28	शनि	16/06/2026 11:16	केतु	12/10/2026 22:14
गुरु	25/10/2025 13:40	शनि	03/03/2026 08:09	बुध	06/07/2026 04:48	शुक्र	16/10/2026 10:45
शनि	15/11/2025 11:04	बुध	19/03/2026 22:55	केतु	14/07/2026 07:47	सूर्य	17/10/2026 12:06
बुध	04/12/2025 03:41	केतु	26/03/2026 19:07	शुक्र	06/08/2026 12:54	चंद्र	19/10/2026 06:22
केतु	11/12/2025 20:24	शुक्र	15/04/2026 08:16	सूर्य	13/08/2026 12:02	मंगल	20/10/2026 11:56
शुक्र	02/01/2026 20:12	सूर्य	21/04/2026 05:00	चंद्र	25/08/2026 02:35	राहु	23/10/2026 16:00
सूर्य	09/01/2026 10:32	चंद्र	30/04/2026 23:35	मंगल	02/09/2026 05:34	गुरु	26/10/2026 11:37
चंद्र	20/01/2026 10:25	मंगल	07/05/2026 19:47	राहु	23/09/2026 02:58	शनि	29/10/2026 19:54
मंगल	28/01/2026 03:09	राहु	25/05/2026 10:00	गुरु	11/10/2026 16:39	बुध	01/11/2026 19:45

बुध - केतु - शुक्र		बुध - केतु - सूर्य		बुध - केतु - चंद्र		बुध - केतु - मंगल	
01/11/2026 19:45		01/01/2027 04:34		19/01/2027 07:13		18/02/2027 11:38	
01/01/2027 04:34		19/01/2027 07:13		18/02/2027 11:38		11/03/2027 14:43	
शुक्र	11/11/2026 21:13	सूर्य	02/01/2027 02:18	चंद्र	21/01/2027 19:35	मंगल	19/02/2027 17:12
सूर्य	14/11/2026 21:39	चंद्र	03/01/2027 14:31	मंगल	23/01/2027 13:50	राहु	22/02/2027 21:16
चंद्र	19/11/2026 22:23	मंगल	04/01/2027 15:53	राहु	28/01/2027 02:30	गुरु	25/02/2027 16:53
मंगल	23/11/2026 10:54	राहु	07/01/2027 09:04	गुरु	01/02/2027 03:05	शनि	01/03/2027 01:10
राहु	02/12/2026 12:14	गुरु	09/01/2027 19:02	शनि	05/02/2027 21:47	बुध	04/03/2027 01:01
गुरु	10/12/2026 13:24	शनि	12/01/2027 15:51	बुध	10/02/2027 04:25	केतु	05/03/2027 06:35
शनि	20/12/2026 02:48	बुध	15/01/2027 05:25	केतु	11/02/2027 22:40	शुक्र	08/03/2027 19:06
बुध	28/12/2026 16:03	केतु	16/01/2027 06:46	शुक्र	16/02/2027 23:24	सूर्य	09/03/2027 20:28
केतु	01/01/2027 04:34	शुक्र	19/01/2027 07:13	सूर्य	18/02/2027 11:38	चंद्र	11/03/2027 14:43

बुध - केतु - राहु		बुध - केतु - गुरु		बुध - केतु - शनि		बुध - केतु - बुध	
11/03/2027 14:43		04/05/2027 22:40		22/06/2027 05:43		18/08/2027 14:06	
04/05/2027 22:40		22/06/2027 05:43		18/08/2027 14:06		08/10/2027 21:36	
राहु	19/03/2027 18:18	गुरु	11/05/2027 09:12	शनि	01/07/2027 07:39	बुध	25/08/2027 20:34
गुरु	27/03/2027 00:10	शनि	19/05/2027 00:43	बुध	09/07/2027 10:38	केतु	28/08/2027 20:24
शनि	04/04/2027 14:37	बुध	25/05/2027 20:55	केतु	12/07/2027 18:55	शुक्र	06/09/2027 09:39
बुध	12/04/2027 07:21	केतु	28/05/2027 16:32	शुक्र	22/07/2027 08:19	सूर्य	08/09/2027 23:14
केतु	15/04/2027 11:25	शुक्र	05/06/2027 17:42	सूर्य	25/07/2027 05:08	चंद्र	13/09/2027 05:51
शुक्र	24/04/2027 12:44	सूर्य	08/06/2027 03:40	चंद्र	29/07/2027 23:50	मंगल	16/09/2027 05:41
सूर्य	27/04/2027 05:56	चंद्र	12/06/2027 04:15	मंगल	02/08/2027 08:08	राहु	23/09/2027 22:25
चंद्र	01/05/2027 18:36	मंगल	14/06/2027 23:52	राहु	10/08/2027 22:35	गुरु	30/09/2027 18:37
मंगल	04/05/2027 22:40	राहु	22/06/2027 05:43	गुरु	18/08/2027 14:06	शनि	08/10/2027 21:36

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको इच्छित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आपकी स्थिति अच्छी रहेगी तथा मन में प्रसन्नता की आप अनुभूति करेंगे। इस समय समाज में आप एक गुणवान पुरूष के रूप में समझे जाएंगे तथा सभी लोग आपको वांछित मान सम्मान प्रदान करेंगे। साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा तथा यश में अभिवृद्धि होगी। धर्म के प्रति आपके मन में इस समय श्रद्धा का भाव रहेगा तथा यत्न पूर्वक धार्मिक कार्य कलापों का अनुपालन करते रहेंगे। इस समय आप कुएं या बगीचे आदि का निर्माण भी कर सकते है। समस्त भौतिक सुख संसाधनों की इस समय आपको प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग करेंगे। इस वर्ष में आपको भूमि या जमीन जायदाद संबंधी लाभ होगा तथा सुन्दर आवास स्थान के प्राप्ति के भी योग बनेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति की दृष्टि से वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय व्यापार में उन्नति तथा विस्तार होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होगा। साथ ही आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी । इस समय विदेशियों से अथवा अन्य भौतिक कार्यो से आप विशिष्ट धन अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही सेवक वर्ग का भी पूर्ण रूप से सुख प्राप्त होगा अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ तथा सौभाग्य शाली रहेगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उतम रहेगा तथा मन में भी शान्ति एवं सन्तुष्टि विद्य मान रहेगी तथा आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे। इस समय आपके सौभाग्य में वृद्धि होगी तथा विगत रूके हुए कार्य सफल होंगे। साथ ही समस्त आशाएं एवं संकल्प भी पूर्ण होंगे तथा कोई भाग्योदय संबधी महत्वपूर्ण कार्य भी सम्पन्न होगा । भौतिक सुख संसाधनों को प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे तथा प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग करेंगे। इस समय आपके महिला मित्रों की संख्या में भी वृद्धि होगी तथा संतति प्राप्ति की भी संभावना रहेगी एवं उनसे आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त आपको वांछित द्रव्य पदार्थों की भी प्राप्ति होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा तथा उन्नति के मार्ग प्रशस्त रहेंगे। इस समय सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आपको पूर्ण लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा आपसे वे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।अतः नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में पदोन्नति की संभावना बनेगी साथ ही मित्र वर्ग से भी लाभार्जन होगा ।इस वर्ष अध्ययन या ज्ञानार्जन में भी आपकी रूचि रहेगी तथा किसी विशिष्ट परीक्षा आदि में उतीर्ण होंगे तथा संबधियों एवं मित्र वर्ग के मध्य आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी एवं वे सभी लोग आपको पूर्ण स्नेह तथा सम्मान प्रदान करेंगे। राजनीति के क्षेत्र में उन्नति के लिए यह वर्ष उत्तम रहेगा। अतः इस समय आपको इस क्षेत्र में सक्रिय रहकर समय का सदुपयोग करना चाहिए। इससे आपके भविष्य में काफी उन्नति तथा परिवर्तन आ सकते हैं। अतः यत्नशील रहें।